

# Hera an Usiya The Gazette of India

## असाधारग EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड 3—उप-चण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

### प्रतिषकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 466] No. 466] नर्द विस्तो, गुकवार, नवस्वर 14, 1986/कार्तिक 23, 1908 NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 14, 1986/KARTIKA 23, 1908'

इस भाग में क्रिश्म पूछ संस्था की साती है जिससे कि यह बसग संकलन के रूप में रसा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as . a separate compilation

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

समपहत सम्पत्ति भ्रपील भ्रधिकरण नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1986

शुद्धि-पन्न

का. ग्रा. 838(ग्र):-- दिनांक 14 ग्रंप्रैल, 1986 के भारत सरकार के राजपत्न के भाग-II, खण्ड-3, उप खण्ड (ii) के पृष्ठ संख्या 1735 से 1739 पर हिन्दी में प्रकाशित प्रधिसूचना संख्या का. ग्रा. 1547 में यहा नीचे दी गई शुद्धि सारणी के दितीय कालम में निर्दिष्ट शब्द के स्थान पर तृतीय कालम में निर्दिष्ट शब्द पढ़े जायें:--

<b>गुद्धि सारणी</b>					
धमुद्धि कहां है	के स्थान पर	पढ़ा जाए			
ĭ	2	. 3			
पुष्ठ 1736 पर नियम संख्या 2, खण्ड (घ) के उपखण्ड (ii) की प्रथम पंक्ति में	"ग्रिसी"	"किसी"			
पुष्ठ 1736 पर नियम संख्या 2, खण्ड (अ) की प्रयम पंक्ति में दूसरे स्थान पर	<del>''के</del> "	''से"			
पृष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (i) की तीसरी पंक्ति में	''सपाब <b>द</b> ''	''उपानस''			
पृष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (4) की तीसरी पंक्ति में	''दिए''	"किए"			
पुष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (6) की तीसरी पंक्ति में	''मधिकार''	''घधिकारी''			
पूष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (6) के स्पष्टीकरण की प्रथम पंक्ति में	''प्राधकृत''	"प्राधिकृत"			
पृष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (8) की तीसरी पंक्ति में	"श्रसमधित"	"समर्थित"			
पृष्ठ 1736 पर नियम संख्या 5 के उपनियम (8) की अंतिम पंक्ति में	"पास उसके <b>पास</b> "	"उसके <mark>पास"</mark>			
पुष्ठ 1737 पर नियम संब्या 6 के उपनियम (3) की तुमारी पंतित में	''हिल''	''दिन''			
पृष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (3) की चीयो पंक्ति में	( <u>a</u> ))	''हो"			
पृष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (3) को पाचत्री पंक्ति में पृष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (3) की छठी पंक्ति का पहला शब्द	''साखपांकि'' ''को''	''साख्यांकित'' ''का''			
पृष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (4) की चौथी पक्ति का अंतिम शक्य	"ग्रपीलू"	''श्रपील''			
पुष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (4) की अंतिम पंक्ति में	'घधिनियम''	"उपनियम"			
पुष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (6) की तीसरी पंक्ति में	''संशोधन''	"संशोधित"			
पृष्ठ 1737 पर नियम संख्या 6 के उपनियम (7) की चौथी पंक्ति का अंतिम मब्द	"श्रपीलार्थी"	''म्रपोल''			
${f q}$ ष्ठ $1737$ पर नियम संख्या $7$ के उपनियम $(2)$ के खण्ड $(ii)$ की प्रथम पंक्ति में	''जन''	"जिन"			
पुष्ठ 1738 पर नियम संख्या 11 की तीसरी पंक्ति के ग्रन्त एवं जीवी पंक्ति के ग्रारम्भ में	"के के लिए"	"के लिए"			
पृष्ठ 1738 पर नियम संख्या 12 के उपनियम (3) की तीसरी पंक्ति में	''ग्रलिख कर''	''श्रमिलेख पर			
पृष्ठ 1738 पर नियम संख्या 14 के उपनियम (i) के खण्ड (क) की तीसरी पंक्ति में	"हो तो जो"	"हो जो" -			

1		2	3
<b>पृष्ठ</b> 1738 पर नियम	संख्या 16 की दूसरी पंक्ति में	"श्रावेम झारक्षित रखे जाते हैं"	सकेगा और यदि <b>मादेश</b>
पुष्ठ 1738 पर नियम	संख्या 17 की प्रथम पंक्ति में	''संसचित''	ग्रारक्षित रखे जाते हैं" "संसूचित"
पुष्ठ 1738 पर नियम	संख्या 18 के उपनियम (4) की दूसरी पंक्ति में	"सदस्य की भी"	"सदस्य भी"
•	संख्या 20 की प्रथम पंक्ति के अंतिम शब्द एव	''किसी / बात''	''किसी बात''
दूसरी पंक्ति का पहला । पृष्ठ 1739 पर प्ररूप व	ती मद संख्या 9 की दूसरी पंक्ति में	''प्रथम''	"पृथक"

इस ग्रधिकरण की ग्रधिसूचना (शुद्धि पत्न) संख्या 91/सामान्य/स. स. ग्र. ग्र./1986 दिनांक <math>23 जून, 1986 जो दिनांक 5 जुलाई 1986 के भारत के राजपत्न भाग "II" खण्ड 3, उप खण्ड (ii) में पृष्ठ 2678 पर का. ग्र. सं. 2441 पर भ्रकाशित हुमा रद्द समक्षा जाए ।

[फा. सं. 91 /सामान्य/स. स. ग्र. ग्र./1986] बी. चकवर्ती, रजिस्ट्रार १

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Appellate Tribunal for Forfeited Property

New Delhi, the 14th November, 1986

### CORRIGENDUM

S.O. 838 (E): The following corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Corrections in our English Medification No. 61/C : 1// The Following Correction (ii) April 1986 published under S.O. No. 1547 on pages 1739-1743 of the Gazette of India, Port-11, Section 3, Sub-section (ii) dated the 19th April, 1986 and published below:

S. No.	Page No.	Rule etc.	Corrections		
1.	1741	In Sub-rule (8) of Rule 6.	In the first line for the figure "8." read brackets and figure (8).		
2.	1741	In Sub-Rule (1) of Rule 12.	In the 3rd line for the word "isolvent" read "insolvent".		
3.	1742	In clause (c) of Sub-rule (1) of Rule 14.	In the second line for the word "tools" read "to".		
4.	1742	In Rule 16.	In the 3.d line for the word "reserve" appearing at the second place read "reserved".		
5.	1742	In Rule 20.	In the last line for the word "end" read "ends".		
<b>6</b> .	1742	In the Form	In item (i) for the word "Bomnay" read "Bombay".		

Our Notification (Corrigendum) No. 91/Genl/ATFP/86 dated the 23rd June, 1986 published under S.O. No. 2441 on page 2679 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated the 5th July, 1986 may be treated as cancelled.

[F.No.91/Genl/ATFP/86]
B. CHAKRAVARTY, Registrar